कोविड में थमी जबलपुर इंटरसिटी अभी तक नहीं आई पटरी पर

- इंदौर-जबलपुर इंटरसिटी चार साल से बंद
- जबलपुर के लिए दिन की कोई ट्रेन नहीं, मंहगी ट्रेनों का सहारा

नव भारत न्यूज

इंदौर. इंदौर-जबलपुर के बीच चलने वाली इंटरसिटी ट्रेन चार साल बाद भी दोबारा बहाल नहीं हो सकी है. इसके बंद रहने से गुना, अशोकनगर सहित पूरे रूट के यात्रियों को दिन में सफर का सस्ता और सुविधाजनक विकल्प नहीं मिल पा रहा. मजबूरी में यात्री महंगी एक्सप्रेस ट्रेनों या बसों का सहारा ले

रहे हैं. यह ट्रेन कोविड के दौरान बंद की गई थी, जिसे अब तक पटरी पर नहीं चलाया जा रहा है.

रेलवे द्वारा कोविड अवधि में बंद की गई इंदौर-जबलपुर इंटरसिटी पैसेंजर ट्रेन आज तक शुरू नहीं हुई. यह ट्रेन इस रूट पर दिन में सफर करने वालों के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प थी. सप्ताह में तीन दिन चलने वाली यह सेवा इंदौर से सुबह 4.10 बजे रवाना होकर करीब 15 घंटे 25 मिनट का सफर तय कर जबलपुर पहुंचती थी. रास्ते में देवास, मक्सी, शाजापुर, गुना, अशोकनगर, कटनी जैसे महत्वपूर्ण स्टेशन आते थे. इसी तरह जबलपुर से यह गाड़ी सुबह 5.40 बजे चलकर रात आठ बजे के बाद इंदौर पहुंचती थी. लेकिन कोविड में सभी पैसेंजर ट्रेनों के साथ इसे भी बंद किया और फिर दोबारा संचालन बहाल नहीं हुआ. दूसरी ओर, उसी समय बंद हुई कई अन्य ट्रेनें अब ट्रैक पर लौट चुकी हैं.

महंगे किराए के साथ ही बसों में हो रही भीड़-इस ट्रेन के बंद रहने से गुना और अशोकनगर की दिशा में यात्रा करने वालों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है. इन स्टेशन तक पहुंचने के लिए अब कोई दिन की ट्रेन उपलब्ध नहीं है. मजबूरन यात्री बसों का रुख कर रहे हैं, जो लगातार फुल चल रही हैं साथ ही यह काफी मंहगा सफर साबित हो रहा है. यात्रियों का कहना है कि यह साबित करता है कि इस रूट पर पैसेंजरों की कमी नहीं है, जबकि रेलवे का तर्क ठीक उलट है. फिलहाल इंदौर से जबलपुर के लिए केवल दो ही विकल्प बचे हैं,

रीवा जाने वाले यात्री भी हो रहे प्रभावित

रीवा जाने वाले यात्रियों पर भी इसका सीधा असर पड़ा है. इंटरसिटी सप्ताह में तीन दिन रीवा तक भी चलती थी, जिससे कम किराए में सफर का विकल्प मिलता था. अब रीवा के लिए रात 8:25 बजे चलने वाली दूसरी ट्रेन उपलब्ध है, जो भोपाल होकर जाती है, लेकिन गुना-अशोकनगर वाले यात्रियों के पास कोई दिन की सस्ती ट्रेन नहीं है. यात्रियों की मांग है कि इंटरसिटी को फिर शुरू किया जाए या इसे रीवा तक बढ़ाकर दोबारा चलाया जाए, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई है. इस संबंध में पश्चिम रेलवे इंदौर के पीआरओ खेमराज मीणा ने कहा कि ट्रेन जबलपुर से बनती थी और यह वेस्ट सेंट्रल रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आती है, इसलिए इंदौर मंडल इससे संबंधित जानकारी नहीं दे सकता.

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

- छोटा बांगड़दा में देर रात हादसा, जांच में जुटी पुलिस

इंदौर. एरोड्रम थाना क्षेत्र के छोटा बांगड़दा इलाके में सोमवार रात लगभग 12 बजे अनाज से भरे तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से एक बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को एंबुलेंस से अस्पताल रवाना किया, जहां उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया.

थाना प्रभारी तरुण सिंह भाटी ने बताया कि युवक का नाम विरेंद्र गोरे है, जो रुक्मणी नगर का रहने वाला है. शुरूआती जांच में पता चला कि ट्रक लक्ष्मीबाई अनाज मंडी से सुपर कॉरिडोर की ओर जा रहा था. इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार से आ रहे

बाइक सवार का संतुलन बिगड़ा और बाइक फिसलने से वह सीधे ट्रक से टकरा गया. हादसे के तुरंत बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया. ट्रक का नंबर एमपी-09-एचजी-4440 पुलिस ने जब्त कर लिया है. चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है. पुलिस प्रत्यक्षदर्शियों के बयान ले रही है. आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी तलाश की जा रही है.

एयरपोर्ट रोड हादसा : विशेष कोर्ट सख्त, आरोपी को राहत नहीं

- कोर्ट ने आरोपी चालक की जमानत अर्जी की खारिज
- हादसे में हुई थी चार मौत और दर्जनभर लोग हुए थे घायल

नव भारत न्यूज

इंदौर. एयरपोर्ट रोड पर करीब दो माह पहले हुए भीषण हादसे के मामले में आरोपी क्लीनर शंकर मान ठाकुर और ड्राइवर गुलशेर अली की जमानत अर्जी कोर्ट ने खारिज कर दी. विशेष न्यायाधीश क्षिप्रा पटेल ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपी को जमानत देने से इनकार कर दिया.

हादसा 15 सितंबर 2025 की

शाम हुआ था. ट्रक नम्बर एमपी 09-जेडपी-4069 नो-एंट्री क्षेत्र में एयरपोर्ट रोड से एरोड्रम थाना क्षेत्र में घुसा और बड़ा गणपति तक कई ऑटो, बाइक व दोपहिया वाहनों को रौंदता चला गया. इस दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई थी, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए थे. टक्कर की तीव्रता इतनी थी कि एक मोटरसाइकिल में आग भी भड़क गई थी.

जांच के दौरान पुलिस ने ट्रक चालक गुलशेर अली और क्लीनर शंकर मान ठाकुर को गिरफ्तार किया था. पूछताछ में सामने आया कि हादसे से पहले दोनों ने अत्यधिक शराब पी रखी थी और नशे की हालत में तेज गति से वाहन दौड़ाया, जिससे यह त्रासदी हुई. आरोपी की ओर से दाखिल जमानत आवेदन का शासन पक्ष से एजीपी उमेश यादव ने विरोध किया. तर्कों पर विचार करते हुए कोर्ट ने आवेदन निरस्त कर दिया.

जिला न्यायालयों में वर्ष 2026 में 102 दिन अवकाश

- हाई कोर्ट ने जारी की टेंटेटिव लीव की सूची

नव भारत न्यूज

इंदौर. मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर की ओर से वर्ष 2026 के लिए जिला न्यायपालिका (जिला एवं सत्र न्यायालय तथा अधीनस्थ न्यायालय) के प्रस्तावित अवकाशों की टेंटेटिव सूची जारी कर दी गई है. सूची के अनुसार आगामी वर्ष में कुल 102 दिन न्यायालयों में अवकाश रहेगा. इसमें 52 रविवार, 24 प्रथम एवं तृतीय शनिवार तथा 26 पर्व-त्योहारों के अवकाश शामिल हैं.

इंदौर अभिभाषक संघ के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट गोपाल कचोलिया ने बताया कि जारी की गई सूची के मुताबिक, 2026 में कई प्रमुख पर्वों पर न्यायालय बंद रहेंगे. इनमें 1 जनवरी को नव वर्ष, 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस, 3 मार्च को होली, 19 मार्च को गुड़ी पड़वा, 20 मार्च को चैती चंड, 27 मार्च को राम नवमी, 31 मार्च को महावीर जयंती, 3 अप्रैल को गुड फ्राइडे, 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती/बैसाखी, 1 मई को बुद्ध पूर्णिमा, 27 मई को ईद-उल-जुहा, 26 जून को मोहर्रम, 24 अगस्त को ईद मिलाद-उन-नबी, 28 अगस्त को रक्षाबंधन, 4 सितंबर को जन्माष्टमी, 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी, 2 अक्टूबर को गांधी जयंती, 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या, 19 से 21 अक्टूबर तक विजयादशमी/दशहरा, 6 नवंबर को धनतेरस, 9-10 नवंबर को गोवर्धन पूजा, 24 नवंबर को गुरुनानक जयंती और 25 दिसंबर को क्रिसमस डे शामिल हैं.

18 मई से 12 जून तक रहेगा ग्रीष्म अवकाश

श्री कचोलिया के अनुसार न्यायालयों में ग्रीष्म अवकाश 18 मई से 12 जून तक और शीतकालीन अवकाश 24 से 31 दिसंबर 2026 तक रहेगा. इस अवधि में सिविल (दीवानी) न्यायालयों में कामकाज बंद रहेगा, जबकि फौजदारी एवं अन्य न्यायालयों में कार्य जारी रहेगा. आगामी वर्ष में प्रत्येक महीने के प्रथम और तृतीय शनिवार को भी न्यायालय बंद रहेंगे. अंतिम सूची उच्च न्यायालय द्वारा अनुमोदन के बाद जारी की जाएगी.

अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मारी, एक की मौत, एक घायल

इंदौर. हातोद थाना क्षेत्र में बीती रात एक युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई. इसी हादसे में घायल एक अन्य साथी का इलाज जारी है. पुलिस फिलहाल यह स्पष्ट नहीं कर पाई है कि बाइक को टक्कर किस वाहन से लगी. मृतक की पहचान 28 वर्षीय पंकज पिता रमेशचंद्र, निवासी हातोद के रूप में हुई है. पंकज देर रात करीब 9.50 बजे अपने रिश्तेदार के यहां आयोजित शादी समारोह में शामिल होने के लिए मोटरसाइकिल से अपने एक साथी के साथ जा रहा था. रास्ते में किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार

दी. इसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे के बाद दोनों को एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सुबह उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. वहीं, हादसे में घायल साथी का इलाज किया जा रहा है. उसकी स्थिति भी गंभीर बनी हुई है.पुलिस ने प्रकरण कायम कर आरोपी अज्ञात वाहन चालक की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी है.

एक नजर में

विद्यामित्र समूह ने विद्यार्थियों को ऊनी परिधान बांटे

इंदौर. ये नि:स्वार्थ सोच के ऐसे सच्चे सामाजिक लोग है जो वास्तविकता के धरातल पर विद्यासेवा को ही अपना सौभाग्य समझते है. ये विद्यामित्र समूह विगत 10 वर्षों से शासकीय व आधारभूत शैक्षणिक सामग्री की आवश्यकताओं वाले विद्यालयों में उनकी जरूरत अनुरूप शैक्षणिक व अन्य आवश्यक वस्तुएँ उपलब्ध करा रहा है. विद्यामित्र समूह के संयोजक दीपक विभाकर नाईक ने बताया कि शीत ऋतु में ग्रामीण क्षेत्र के शालेय बच्चों को कड़ाके की ठंड लगती थी।और उनके पास पहनने को ऊनी परिधान नहीं थे. बस इसी भावना को उद्देश्य बना शासकीय हाईस्कूल नांदेड़ से आग्रह आने पर विद्यार्थियों को विद्यामित्र समूह के द्वारा ऊनी परिधान भेंट किए गए. गर्म परिधान मिलते ही बच्चों के चेहरों पर अप्रतिम मुस्कान बिखर रही थी. समूह के इन सेवाभावी सदस्यों संजय काले, स्मिता मुकादम, बलराम हुंदलानी, गिरीश खतुरिया, संजय सौंदतीकर, प्रताप आहेर, जगरूपसिंह ने इस प्रकल्प हेतु अपना सहयोग प्रदान किया. इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या प्रणोति पटेल, शिक्षकगण प्रीति साकोरीकर, महिपालसिंह, जगदीश चौहान, कल्पना माने आदि उपस्थित थे. संचालन शिक्षिका कामिनी तंबोली ने किया. विद्यामित्र समूह में महू, इंदौर, उज्जैन से लेकर मुंबई और अमेरिका से भी सदस्य जुड़ चुके है. इन 56 सदस्यों में बलराम हुंदलानी, रेखा विजय ईनाणी, मनोज झिरीवाल, अर्चना गुप्ता, सुधीर पंत, दीप मंदवानी, संदीप वाधवा, स्मिता मुकादम,डॉ रीना जोशी, संजय कोकजे, नारायण गुप्ता, प्रियेश अग्रवाल, नितेश यादव, गिरीश खथुरिया, महेश गुप्ता, रोचना शुक्ला, नुपुर नामजोशी, कार्तिक मधोक, सुषमा व्यास, स्नेहा कोकजे, देवेंद्र शाह, हिमांशु मानुरकर, ऋचा प्रशस्त, संजय वी काले आदि सक्रिय बने रहते है।

मानसिक दिव्यांग बच्चों को सिखाया गुडटच-बेडटच

महू. विश्व दिव्यांग दिवस के उपलक्ष पर संवेदना स्कूल में मगंलवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमे एक खिलौने वाली गुड़िया को हाथ में लेकर बच्चों को बहुत ही सरल तरीके से समझाया कि गुडटच बेडटच क्या होता है और हमें अपनी सुरक्षा कैसे करनी है. मानसिक दिव्यांग बच्चों ने इस कार्यशाला को बहुत अच्छे से समझा और अपने साथियों को समझाया भी. साथ ही बच्चों ने खिलौने के साथ खेल कर खुशियां मनाई. 8 दिसंबर को विश्व मानसिक दिव्यांग दिवस होता है. इस रोज मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों को रोटरी क्लब आफ महू के सदस्यों द्वारा पिकनिक भ्रमण के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. बच्चों के लिए एक शानदार पार्टी का आयोजन होगा.

प्रोफेसर डॉ. शैलेंद्र शर्मा का निधन

इंदौर. प्रोफेसर और संस्कार कॉलेज इंदौर के प्राचार्य डॉक्टर शैलेंद्र शर्मा का

हार्ट अटैक से निधन हो गया. आपकी चार पुस्तकें व अनेक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं. आप लंबे समय तक नर्मदा समग्र और जन अभियान परिषद से भी जुड़ कर नर्मदा संरक्षण के कार्य में सलग्न रहे. जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में भी आपने काफी कार्य किए. आप गुजराती कॉलेज इंदौर के बाद धामनोद, मंडलेश्वर के कॉलेज में भी प्राचार्य पदस्थ रहे.आप कई संस्थानों से जुड़े रहे. अंतिम यात्रा बुधवार को दोपहर 1 बजे वैशाली नगर से निकलकर रिजनल पार्क मुक्तिधाम जाएगी.

नशे में भैरव बाबा की मूर्ति से छेड़छाड़, युवक गिरफ्तार

इंदौर. रावजी बाजार क्षेत्र में शराब के नशे में एक युवक द्वारा मंदिर में तोड़फोड़ और मूर्ति से छेड़छाड़ किए जाने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया. घटना से आसपास के लोगों में आक्रोश फैल गया और मौके पर भीड़ जमा हो गई. पुलिस ने हालात को शांत कर आरोपी पर धार्मिक भावनाएं आहत करने की धाराओं में केस दर्ज किया है.

युवक को घर से बुलाकर चाकू से किया हमला

नव भारत न्यूज

इंदौर. हीरा नगर क्षेत्र में देर रात एक युवक पर घात लगाकर कुछ युवकों ने चाइनीज चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया. हमले में चाकू का ब्लेड उसके पेट में धंस गया, जिसे डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर बाहर निकाला. पुलिस ने इस मामले में एक नाबालिग आरोपी को हिरासत में लिया है, जबकि उसके अन्य साथी फरार हैं.

हीरा नगर थाना प्रभारी सुशील पटेल ने बताया कि 19 वर्षीय छोटू पिता सुनील को गंभीर हालत में एमवाय अस्पताल ले जाया गया. परिजनों ने बताया कि युवक को घर से बाहर बुलाकर पहले से घात लगाकर बैठे आदर्श, आकाश और उनके साथियों ने हमला कर दिया. आरोप है कि विवाद के दौरान उन लोगों ने चाइनीज चाकू से वार कर दिया. चाकू शरीर के भीतर फंस जाने के कारण डॉक्टरों को तत्काल सर्जरी करनी पड़ी.

फिलहाल छोटू की हालत स्थिर बताई जा रही है. वारदात के बाद पुलिस ने देर रात दबिश देकर एक नाबालिग आरोपी को पकड़ लिया. बाकी हमलावरों की तलाश जारी है. पुलिस यह भी जुटा रही है कि वारदात के पीछे पुरानी रंजिश थी या कोई अन्य बात इसकी वजह बनी.

सवारी को सुनसान में ले जाकर की लूट

- रिक्शा चालक फरार, एक आरोपी को ग्रामीणों ने पकड़ा

इंदौर. तीन इमली बस स्टैंड से घर जाने के लिए रिक्शा कर रहे एक युवक के साथ सोमवार रात लूट की वारदात हो गई. रिक्शा चालक और उसके साथ बैठे बदमाश ने सुनसान इलाके में ले जाकर सवारी पर हमला किया, मारपीट की और पर्स छीन लिया. युवक की सूझबूझ और चीख-पुकार से ग्रामीण मौके पर पहुंच गए, जिन्होंने एक आरोपी को पकड़ लिया, जबकि रिक्शा चालक रिक्शा वहीं छोड़कर भाग निकला.

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उसने रात करीब 9.15 बजे तीन इमली से फूटीकोठी जाने के लिए रिक्शा किया था. रिक्शा में पहले से एक व्यक्ति बैठा था. रास्ते में अचानक चालक रिक्शा को सुनसान इलाके की तरफ मोड़ने लगा. विरोध करने पर उसने गति बढ़ा दी और कहा कि दूसरा व्यक्ति बिलावली गांव के खेत में चौकीदारी करता है, उसे वहीं उतारकर आगे छोड़ देंगे. पीड़ित को शक हुआ और उसने बीच में उतारने को कहा, लेकिन चालक नहीं रुका. बिलावली गांव के सुनसान क्षेत्र में दोनों ने पर्स छीनने की कोशिश की और मारपीट कर करीब 5 हजार रुपए वाला पर्स छीन लिया. युवक ने शोर मचाया तो आसपास के ग्रामीण भागते हुए मौके पर पहुंचे. इससे घबराकर रिक्शा चालक रिक्शा छोड़कर भाग निकला, जबकि दूसरा आरोपी ग्रामीणों के हाथ लग गया, जिसने अपना नाम सुरेश बताया. सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है. रिक्शा नंबर के आधार पर फरार चालक की तलाश जारी है.

तेज रफ्तार ट्रक बिजली का खंभा तोड़कर डिवाइडर पर चढ़ा

इंदौर. हीरा नगर इलाके में मंगलवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गया और सीधे डिवाइडर पर चढ़ गया. बापट चौराहा से नक्षत्र गार्डन की ओर जा रहे इस ट्रक की रफ्तार इतनी अधिक थी कि टकराने के बाद सड़क किनारे लगा बिजली का पोल टूटकर गिर गया. हादसे में किसी व्यक्ति को चोट नहीं आई, जिससे बड़ी जनहानि टल गई. आसपास के लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने रास्ते में गिरे खंभे

को हटवाया और जेसीबी की मदद से डिवाइडर पर अटके ट्रक को भी हटवाकर थाने भिजवाया. मामले में पुलिस जांच कर रही है.

संस्कारों की रोशनी से जगमगाया जेल परिसर

- गीता जयंती पर बंदियों ने पाया आत्मचिंतन का नया मार्ग

नव भारत न्यूज

इंदौर. गीता जयंती के अवसर पर सेंट्रल जेल में आयोजित विशेष कार्यक्रम ने बंदियों और स्टाफ दोनों को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर हुए इस आयोजन में गीता के उपदेशों को जीवन-सुधार के मार्ग के रूप में प्रस्तुत किया गया.

कार्यक्रम की अध्यक्षता जेल अधीक्षक अलका सोनकर ने की. समारोह में डॉ. निशा जोशी ने श्रीमद् भगवत गीता के चुनिंदा श्लोक सुनाते हुए उनके अर्थ को सरल भाषा में समझाया. उन्होंने बताया कि गीता का ज्ञान

मन को स्थिर करता है और जीवन को सकारात्मक दिशा देता है. मुख्य अतिथि जेल डीजी डॉ. वरुण कपूर अपनी पत्नी सौम्या कपूर के साथ कार्यक्रम में उपस्थित रहे. डॉ. कपूर ने कहा कि गीता के उपदेश अनुशासन, आत्मचिंतन और मानसिक संतुलन को मजबूत करते हैं. इससे न केवल बंदियों बल्कि स्टाफ को भी बेहतर जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है. जेल अधीक्षक अलका सोनकर ने बताया कि प्रदेश की जेलों में मानसिक और आध्यात्मिक विकास पर आधारित ऐसे कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे बंदियों के व्यवहार और सोच में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास सफल हो रहा है. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बंदियों और स्टाफ ने भाग लिया और गीता से मिले संदेशों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प जताया.

एक नजर में

पहले इस अभियान को नहीं लिया था गंभीरता से, अब खुद बन रहे इसका हिस्सा

एसआईआर ने मताधिकार के महत्व को समझने पर किया विवश

इंदौर. एसआईआर अभियान केवल सूची सुधार नहीं, लोकतंत्र की शक्ति को मजबूत करने का संकल्प है. मतदाता सूची की शुद्धता ही हर बूथ पर सटीकता, विश्वास और मजबूत परिणाम की नींव बनती है. इसअभियान ने प्रदेश भर के नागरिकों को अपने मत अधिकार और उसके महत्व को समझने पर विवश कर दिया है. नागरिकों द्वारा पहले इसे गंभीरता से नहीं लिया गया था, लेकिन आज क्षेत्रवासी खुद इस अभियान का हिस्सा बनकर लोगों को जागरूक भी कर रहे हैं और उनकी सहायता भी कर रहे हैं. एसआईआर फार्म भरने के लिए कुछ रिक्त स्थान भरना है, जिसको लेकर मजदूर एवं अशिक्षित वर्ग को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जहां मतदाताओं को क्षेत्रीय बीएलओ को ढूंढने में समस्या आ रही है, वहीं मतदाताओं के फार्म भरने और उन्हें समझाने में टीम की कमी पड़ रही है. इस परिस्थिति को देखते हुए आजाद नगर में कुछ क्षेत्रिय युवाओं ने कमान संभालकर क्षेत्रवासियों की सुविधा के लए जगह-जगह टेबलें लगाई हैं. जहां लोग बड़ी संख्या में पहुंचकर अपने एसआईआर फार्म इन युवाओं से भरवा रहे हैं. इतना ही नहीं, क्षेत्र के धर्म स्थल से भी संदेश जारी किए जा रहे हैं और गली-गली घूमकर युवा क्षेत्रवासियों को फार्म की अहमियत समझा रहे हैं. एसआईआर के लिए जागरूक करने का यह सिलसिला पिछले कई दिनों से चल रहा है. इतना होने पर भी कई लोगों के फार्म अभी भी नहीं मिल पा रहे हैं, ऐसे में सरकार को एसआईआर की अंतिम तारीख बढ़ानी पड़ी है.

यह बोले जागरूक युवा...

क्षेत्र में अधिकांश लोग मध्यम एवं मजदूर वर्ग के हैं और कम पढ़े-लिखे हैं, ऐसे में एसआईआर फार्म में दिए गए कॉलम को समझना उनके लिए दुश्वार हो रहा है. हम हर दिन टेबल लगाकर लोगों की सहायता कर रहे हैं, यह हमारा दायित्व भी है.

- अजिम गौरी

राजनीतिक दल भी क्षेत्र में लोगों के बीच जाकर उन्हें जागरूक कर रहे हैं और जो संदेह है, वह भी दूर किया जा रहा है. हम लोगों को इस अभियान में बढ़-चढकर हिस्सा लेने की अपील कर रहे हैं.

- साबिर लाला

नवयुवकों द्वारा एसआईआर का फार्म कंपलीट करवाने के लिए टेबल लगाने से बहुत राहत मिल रही है. खासतौर से

उन्हें जो पढ़े-लिखे नहीं हैं. पहले लोगों को उलझन लग रही थी फार्म भरवाने पर, अब सब असानी हो रहा है. अंतिम तिथि बढने से लोगों को काफी राहत मिलेगी.

- अंजुम बी